Dainik Tribune. Sunday, 31 October, 2010

उत्तर भारत का सम्पूर्ण समाचारपत्र

ऑनलाइन संस्करण
www.dainiktribuneonline.com

दैनिक ट्रिब्यून

वर्ष : 33, अंक : 77 चंडीगढ़/नयी दिल्ली/जालंधर/बठिंडा रविवार, 31 अक्तूबर, 2010/ 15 कार्तिक, संवत् 2067 ई-मेल : dt@tribuneindia.co

'राम नाम अति मीठा...'

करनाल, 30 अक्तूबर (हप्र)। राम नाम अति मीठा है,कोई गा के तो देख ले। आ जाते हैं राम, कोई बुला के तो देख ले। उक्त पंक्तियों को गुनगुनाते हुए प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा ने आज कहा कि मनुष्य जीवन सादे कागज की तरह है,और इसे सादा ही न रहने दें बल्कि अध्यात्म से जुड़कर इसे दिव्य बना लें।

श्री जलोटा आज यहां एक कार्यक्रम से पहले पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य में एकाग्रता नहीं है, जिस कारण वह मंजिल तक नहीं पहुंच पाता । इसलिए मनुष्य को अपने अंदर इन सभी चीजों का समावेश करना पड़ेगा जो उसे मंजिल तक पहुंचा सकें। उन्होंने कहा कि आज तनाव भरे जीवन को शांति प्रिय तरीके से जीने के लिए कई चीजों का होना जरूरी है और इसमें एकाग्रता, सहनशीलता व अध्यात्मिक क्रियाएं शामिल हैं। उन्होंने भजनों के शुद्धिकरण पर बल देते हुए कहा कि यदि भजन में शुद्धता होगी तो वह लंबे अर्से तक गुन गुनाया जाएगा।

करनाल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा और आध्यात्मिक उपचारकर्त्ता चामुंडा स्वामी। छाया : हप्र

ऐसी लागी लगन, मीरा हो गई मगन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इस भजन को 35 साल पहले उन्होंने गाया था और आज यह भजन युवा पीढ़ी भी गुनगुनाती है इसलिए ऐसे भजन तैयार किए जाएं जिनमें शुद्धता हो और वह बरसों तक लोगों के जहन में रहे।

उनके साथ पहुंचे आध्यात्मिक उपचारकर्त्ता चामुंडा स्वामी ने कहा कि मनुष्य आज कई कारणों से दुखी है। उन्होंने कहा कि यह समस्याएं मनुष्य ने खुद ही पैदा की हैं और इनसे लड़ने की शक्ति भी मनुष्य में है, लेकिन इसका प्रयोग नहीं किया जाता, जिस कारण यह समस्याएं मनुष्य को घेरे हुए हैं। इस मौके पर तथास्तु पत्रिका के चीफ एडिटर जोर्ज भाला ने बताया कि मैगजीन में तनाव मुक्त जीवन जीने के तरीके बताए गए हैं और विदेशों में सफर तय करने के बाद देव भूमि पालमपुर से इसकी लांचिंग की गई है।